Publication : The Statesman
Date : 30-Apr-2025
Page No : 1

'Govt modernising country's education system to meet needs of 21st century'

SHAHID K ABBAS
NEW DELHI, 29 APRIL

Prime Minister Narendra Modi has said that the government is modernising country's education system to meet the needs of the 21st century.

"We are modernising the country's education system according to the needs of the 21st century," Mr Modi said while addressing the YUGM (meaning "confluence" in Sanskrit) Conclave at Bharat Mandapam.

"A new National Education Policy has been introduced in the country. It has been prepared keeping in mind the global standards of education," Mr Modi added.

"The government is bringing world-class knowledge within every student's reach in the country," he said

YUGM is a collaboration aimed at advancing future technologies for a developed India. The conclave is a first-of-its-kind strategic gathering that has gathered together leaders from government, academia, industry, and innovators at Bharat Mandapam.

Asserting that the "country's future is dependent on its youth, which is why it is crucial to prepare them for India's bright future," the Prime Minister underlined "New Education Policy is driving transformation in the country."

Emphasising that the New Education Policy is driving transformation in the country, Mr Modi added: "Our endeavour is to empower the youth with skills that make them self-reliant and position India as a global innovation."

Expressing confidence that the efforts to enhance India's innovation capacity and its role in deep-tech would gain momentum through this event, the Prime Minister remarked that super hubs at IIT Kanpur and IIT Bombay were focusing on AI, intelligent systems, and biosciences, biotechnology, health, and medicine.

Welcoming the launch of the Wadhwani Innovation Network, he said it reaffirms the commitment to advancing research in collaboration with the National Research Foundation.

Congratulating the Wadhwani Foundation, IITs, and all stakeholders involved in these initiatives the Prime Minister also extended a special appreciation to Romesh Wadhwani for his dedication and active role in fostering positive changes in the country's education system through collaboration between the private and public sectors.

"One Nation, One Subscription has given the youth the confidence that the government understands their needs, today students pursuing higher education have easy access to world class research journals," Mr Modi underlined.

Reasserting that India's university campuses are emerging as dynamic centres where Yuvashakti drives breakthrough innovations, Mr Modi emphasised "the trinity of Talent, Temperament and Technology will transform India's future."

"It is crucial that the journey from idea to prototype to product is completed in the shortest time possible....We are working on the vision of Make AI in India, and our aim is- Make AI work for India," the Prime Minister said.

Publication : Amar Ujala
Date : 30-Apr-2025
Page No : 13

युवा देश का भविष्य, उनकी जरूरतों के मुताबिक आधुनिक बना रहे शिक्षा : मोदी

युग्म सम्मेलन : पीएम ने कहा-नई शिक्षा नीति वैश्विक मानकों को ध्यान में रखकर की गई तैयार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि टैलेंट, टेंपरामेंट और टेक्नोलॉजी की तिकड़ी भारत के भविष्य को बदलकर रख देगी। इसलिए हमने बच्चों को शुरुआत से ही आधुनिक तकनीक से रू-ब-रू कराने के लिए अटल टिंकरिंग लैब जैसी पहल की है। किसी भी देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी पर निर्भर होता है। इसलिए जरूरी है कि अपने युवाओं को उनके और देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार किया जाए। इसमें देश की शिक्षा प्रणाली की अहम भूमिका है। इसी को ध्यान में रखकर सरकार शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी की जरूरतों के मुताबिक आधुनिक बना रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को युग्म सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि देश में लागू की गई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को वैश्विक मानकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसके बाद से भारतीय शिक्षा प्रणाली में बड़ा बदलाव देख भी रहे हैं। पीएम ई-विद्या, और दीक्षा प्लेटफॉर्म के तहत वन नेशन, वन डिजिटल एजुकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया गया है। यह एआई आधारित है और इसका इस्तेमाल देश की 30 से ज्यादा भाषाओं और सात विदेशी भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें तैयार करने के लिए किया जा रहा है। ब्यूरो

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य एआई को भारत के लिए कारगर (मेक एआई वर्क फॉर इंडिया) बनाना है। पीएम ने कहा कि अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) पर 2013-14 में सकल व्यय केवल 60,000 करोड़ रुपये था, जिसे अब सवा लाख करोड़ रुपये तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने कहा, हमने विकसित भारत के लक्ष्य के लिए अगले 25 वर्ष की समयसीमा तय की है। हमारे पास समय सीमित है, लक्ष्य बड़े हैं। इसलिए जरूरी है कि हमारे विचार की प्रोटोटाइप से प्रोडक्ट तक की यात्रा भी कम से कम समय में पूरी हो।

हमारे पास समय सीमित और लक्ष्य बड़े हैं

दिल्ली में भारत मंडपम में युग्म सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी को स्मृति चिह्न दिया गया। एजेंसी

नवाचार को आगे बढ़ा रही युवा शक्ति : बड़ी संख्या में सरकार, शिक्षा, विज्ञान और अनुसंधान से जुड़े विभिन्न क्षेत्र के लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस एकजुटता को ही युग्म कहते हैं। ऐसा युग्म जिसमें विकसित भारत की भविष्य की तकनीक से जुड़े हितधारक एक साथ जुड़े हैं, एक साथ जुटे हैं। उन्होंने कहा, भारतीय विश्वविद्यालयों के परिसर ऐसे केंद्र बनकर उभर रहे हैं जहां युवाशक्ति सफल नवाचार कर रही है।

कॅरिअर के नए रास्ते खुल रहे

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के छात्रों को अब आधुनिक शिक्षा मिलनी शुरू हुई है, करियर के लिए नए रास्ते बन रहे हैं। भारत ने जिन लक्ष्यों को तय किया है, उसे निरंतर गति देने के लिए देश के रिसर्च इकोसिस्टम को मजबूती देना आवश्यक है। इस मौके पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अहम योगदान के लिए उन्होंने वाधवानी फाउंडेशन की सराहना भी की। रोमेश वाधवानी की यह संस्था स्कूली शिक्षा, आंगनवाड़ी से जुड़ी टेक्नोलॉजी और एग्री टेक में भी काफी काम कर रही है।

भारत अब दूसरों के लिए प्रेरणा बन रहा : जितेंद्र : सम्मेलन में केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों के दौरान भारत ने विज्ञान के क्षेत्र में वैश्विक नेता के तौर पर खुद को स्थापित करने की दिशा में मजबूती से कदम बढ़ाया है। उन्होंने कहा, तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है और भारत अब सफल प्रयोग कर रहा है।

विकसित भारत के लिए अहम साबित होगी नई पहल : शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अगले पांच वर्षों में स्कूलों में 50,000 नई अटल टिंकरिंग लैब खोलने की पीएम मोदी की घोषणा का स्वागत किया। साथ ही इस बात को रेखांकित किया शोध और नवाचार को बढ़ावा देने वाली ऐसी नई पहल 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी।

Publication : The Hindu
Date : 30-Apr-2025
Page No : 12

NEP changed country's education system: Modi

The Hindu Bureau
NEW DELHI

Prime Minister Narendra Modi on Tuesday said that since the launch of the National Education Policy, the country's education system had witnessed significant changes. He said that under the National Curriculum Framework, learning-teaching materials and new textbooks for Classes 1 to 7 had already been prepared. He was addressing the Uniting Academia, Industry and Innovators for Viksit Bharat (YUGM) conclave organised jointly by the Union Education Ministry and Wadhwani Foundation here.

"Under PM e-Vidya and the DIKSHA platform, a 'One Nation, One Digital Education Infrastructure' has been created. This infrastructure is AI-based and scalable. It is being used to prepare textbooks in over 30 Indian languages and seven foreign languages," Mr. Modi said. The Prime Minister said through the National Credit Framework, it had become easier for students to study multiple subjects simultaneously. He added that in the past decade, significant progress had been made in improving the research ecosystem.

Publication : The Asian Age
Date : 29-Apr-2025
Page No : 4

PM Modi to address YUGM conclave today

New Delhi, April 28: Prime Minister Narendra Modi will on Tuesday participate in the YUGM Conclave.

YUGM is a first-of-its-kind strategic conclave convening leaders from government, academia, industry, and the innovation ecosystem. It will contribute to India's innovation journey, driven by a collaborative project of around ₹1,400 crore with joint investment from the Wadhwani Foundation and government institutions, it said.

The statement said, "In line with the PM's vision of a self-reliant and innovation-led India, various key projects will be initiated during the conclave." — *PTI*

Publication : Deccan Chronicle
Date : 29-Apr-2025
Page No : 4

PM Modi to address YUGM conclave today

New Delhi, April 28: Prime Minister Narendra Modi will on Tuesday participate in the YUGM Conclave.

YUGM is a first-of-its-kind strategic conclave convening leaders from government, academia, industry, and the innovation ecosystem. It will contribute to India's innovation journey, driven by a collaborative project of around ₹1,400 crore with joint investment from the Wadhwani Foundation and government institutions, it said.

The statement said, "In line with the PM's vision of a self-reliant and innovation-led India, various key projects will be initiated during the conclave." *— PTI*

Publication : Tarun Bharat
Date : 30-Apr-2025
Page No : 8

'जागतिक नवोन्मेष केंद्र' भारतास बनवणार : पंतप्रधान

नवी दिल्ली, दि. २९ : विशेष प्रतिनिधी

''देशात 'नवीन राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरण' तयार करताना शिक्षणाच्या जागतिक मानकांचा विचार करण्यात आला आहे. त्याद्वारे तरुणांना आत्मनिर्भर बनवणाऱ्या कौशल्यांनी सक्षम करून भारताला जागतिक नवोन्मेष केंद्र म्हणून स्थापित करण्याचा सरकारचा प्रयत्न आहे,'' असे प्रतिपादन पंतप्रधान नरेंद्र मोदी मंगळवार, दि. २९ एप्रिल रोजी केले.

पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांनी नवी दिल्लीतील 'भारत मंडपम्' येथे आयोजित 'युग्म नवोन्मेष परिषदे'ला संबोधित केले. यावेळी त्यांनी कोणत्याही राष्ट्राचे भविष्य त्याच्या तरुणांवर अवलंबून असते आणि भविष्यासाठी त्यांना सज्ज करण्याचे महत्त्व अधोरेखित केले. या सज्जतेमध्ये शिक्षण व्यवस्था महत्त्वाची भूमिका बजावते आणि २१व्या शतकातील गरजा पूर्ण करण्यासाठी भारताच्या शिक्षण व्यवस्थेचे आधुनिकीकरण करण्याच्या प्रयत्नांवर त्यांनी भर दिला. जागतिक शिक्षण मानके लक्षात घेऊन तयार केलेल्या 'नवीन राष्ट्रीय शैक्षणिक धोरणा'च्या समावेशावर पंतप्रधानांनी प्रकाश टाकला आणि भारतीय शिक्षण व्यवस्थेत त्यामुळे झालेले महत्त्वपूर्ण बदल निदर्शनास आणले.

पंतप्रधान मोदी यांनी यावेळी राष्ट्रीय अभ्यासक्रम चौकट, शैक्षणिक अध्ययन साहित्य आणि इयत्ता पहिली ते सातवीसाठी नवीन पाठ्यपुस्तकांच्या विकासाबाबत माहिती दिली. ३० हून अधिक भारतीय भाषांमध्ये आणि सात परदेशी भाषांमध्ये पाठ्यपुस्तके तयार करणे शक्य झालेल्या 'पीएम ई-विद्या' आणि 'दीक्षा प्लॅटफॉर्म'अंतर्गत 'एआय'आधारित आणि स्केलेबल डिजिटल शिक्षण पायाभूत सुविधा प्लॅटफॉर्म 'एक राष्ट्र, एक डिजिटल शिक्षण पायाभूत सुविधा'च्या निर्मितीवर त्यांनी प्रकाश टाकला.

Publication : Naya India
Date : 30-Apr-2025
Page No : 2

युवाओं को कौशलयुक्त बनाकर भारत को वैश्विक नवाचार केन्द्र बनाना है

नई दिल्ली ■ वार्ता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सरकार का प्रयास युवाओं को ऐसे कौशल से सशक्त बनाना है जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाएं और भारत को वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करें।

श्री मोदी ने मंगलवार को यहां भारत मंडपम में युग्म नवाचार सम्मेलन को संबोधित करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि इस आयोजन के माध्यम से भारत की नवाचार क्षमता और 'डीप-टेक' में इसकी भूमिका को बढ़ाने के प्रयासों को गति मिलेगी। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर और मुंबई में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, जैव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और चिकित्सा पर ध्यान केंद्रित करते हुए सुपर हब के उद्घाटन का जिक्र किया। उन्होंने वाधवानी इनोवेशन नेटवर्क के शुभारंभ का भी उल्लेख किया, जो राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन के सहयोग से अनुसंधान को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

प्रधानमंत्री ने वाधवानी फाउंडेशन, प्रौद्योगिकी संस्थानों और इन पहलों में शामिल सभी हितधारकों को बधाई दी। उन्होंने निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों के बीच सहयोग के माध्यम से देश की शिक्षा प्रणाली में सकारात्मक बदलाव लाने में रोमेश वाधवानी की समर्पण और सक्रिय भूमिका की भी विशेष सराहना की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसके युवाओं पर निर्भर करता है और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने में शिक्षा प्रणाली महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने 21वीं सदी की जरूरतों को पूरा करने के लिए भारत की शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति वैश्विक शिक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। उन्होंने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, शिक्षण सामग्री और कक्षा एक से सात तक के लिए नई पाठ्यपुस्तकों के विकास पर टिप्पणी की। उन्होंने पीएम ई-विद्या और दीक्षा प्लेटफार्मों के तहत एआई-आधारित और स्केलेबल डिजिटल शिक्षा अवसंरचना मंच - 'एक राष्ट्र, एक डिजिटल शिक्षा अवसंरचना' के निर्माण पर प्रकाश डाला, जिससे 30 से अधिक भारतीय भाषाओं और सात विदेशी भाषाओं में पाठ्यपुस्तकें तैयार की जा सकेंगी।

श्री मोदी ने कहा कि नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क ने छात्रों के लिए एक साथ विविध विषयों का अध्ययन करना आसान बना दिया है, जिससे आधुनिक शिक्षा मिलती है और नए करियर के रास्ते खुलते हैं।

Publication : Hindustan Times
Date : 30-Apr-2025
Page No : 12

{ MODI AT YUGM CONCLAVE }

'Talent, temperament, tech will change future'

Saubhadra Chatterji and Vrinda Tulsian
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The trinity of "talent, temperament and technology" will transform the future of India, Prime Minister Narendra Modi said on Tuesday as he emphasized on simplifying regulations and fast-tracking approvals to allow the benefits of innovation and research to reach the people. Modi also hailed India's youth as 'R&D'—ready and disruptive—and narrated how India is setting new milestones in various sectors.

Speaking at the YUGM (Confluence in Sanskrit) Innovation Conclave organized by the Wadhwani Foundation and the Union education ministry in New Delhi, the PM remarked that "We have limited time, the goals are big". After a pause, Modi clarified that he was not referring to the "current situation", referring to anticipation over India's response to terror attack at Pahalgam , but about larger task of turning India into developed nation by 2047.

The PM said the country is at the forefront to adapting to AI (artificial intelligence). He added that India must accelerate the transition from idea to product in order to meet the goal of becoming 'Viksit Bharat' within the next 25 years.

Narendra Modi

Speaking at length on the latest innovations, the PM also compared the progress made during the UPA era and the current regime. "To give continuous momentum to the goals that India has set, it is necessary to strengthen the country's research ecosystem. In the last decade, rapid work has been done in this direction, necessary resources have been increased. In 2013-14, the gross expenditure on R&D was only ₹60 thousand crores. We have more than doubled it to more than ₹1.25 lakh crores. Many state-of-the-art research parks have also been established in the country. Research and Development Cells have been established in about 6000 higher education institutions. Due to our efforts, innovation culture is developing rapidly in the country"

Modi said that in 2014, around 40 thousand patents were filed in India every year, which has now increased to more than 80 thousand. "This also shows how much support the youth of the country is getting from our intellectual property ecosystem," he added, listing the ₹50,000 crore (over five years) National Research Foundation , the One Nation One Subscription scheme for subscription to journals, and the Prime Minister's Research Fellowship.

Modi highlighted the commissioning of the world's longest hyperloop test track, the 422-metre hyperloop developed by IIT Madras and the Indian Railways, the development of 'brain on a chip' technology by IISC and making of the first indigenous MRI machine. "There are many such path-breaking R&D that are taking place in our universities. This is the youth power of a developing India – Ready, Disruptive, and Transformative!" Modi said.

Union education minister Dharmendra Pradhan also spoke at the conclave. He said the government will open 50,000 new Atal Tinkering Labs in schools across the country over the next five years.

Pradhan said the word "YUGM" reflects integration, vision, and innovation. He said the government's education and research reforms are forming the base of a self-reliant India.

Publication : Dainik Jagaran
Date : 30-Apr-2025
Page No : 11

प्रतिभा, तेवर से ही बदलेगा भारत का भविष्य : मोदी

- प्रधानमंत्री मोदी ने पहले इनोवेशन सम्मेलन 'युग्म' को किया संबोधित
- कहा- 21वीं सदी की जरूरतों के मुताबिक शिक्षा व्यवस्था को बना रहे आधुनिक

भारत मंडपम में 'युग्म' में पीएम मोदी को स्मृति चिह्न भेंट किया गया। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे ● पीटी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि किसी भी देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी पर ही निर्भर होता है। इसलिए जरूरी है कि हम उनके भविष्य के लिए और देश के उज्जवल भविष्य के लिए उन्हें तैयार करें। इसमें सबसे बड़ी भूमिका देश की शिक्षा व्यवस्था की होती है, इसीलिए देश की शिक्षा व्यवस्था को हम 21वीं सदी की जरूरत के मुताबिक आधुनिक बना रहे हैं। युवाओं को बचपन से तकनीक व इनोवेशन से जोड़ा जा रहा है। प्रतिभा (टैलेंट), तेवर (टेंपरामेंट) व तकनीक (टेक्नालाजी) का यह जुड़ाव भारत के भविष्य को बदलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत मंडपम में आयोजित पहले नवाचार (इनोवेशन) सम्मेलन 'युग्म' को संबोधित करते हुए यह बातें कहीं। सम्मेलन में शिक्षा, उद्योग और नवाचार से जुड़े लोग शामिल थे। इस मौके पर वाधवानी फाउंडेशन ने पीएम मोदी की मौजदूगी में आइआइटी बांबे, आइआइटी कानपुर व नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एनआरएफ) के साथ मिलकर एआइ, इंटेलिजेंस सिस्टम व बायो साइंस के क्षेत्र में 14 सौ करोड़ के करार किए। पीएम मोदी ने इस मौके पर नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बाद शिक्षा के क्षेत्र में आए बदलावों का जिक्र किया और कहा कि बच्चों में अब स्कूली स्तर पर ही शोध और नवाचार के बीज रोपे जा रहे हैं। उन्होंने कहा, भारत ने जिन लक्ष्यों को तय किया है उन्हें निरंतर गति देने को देश के रिसर्च इकोसिस्टम को मजबूती देना आवश्यक है। पिछले एक दशक में इस दिशा में तेजी से काम हुआ है। शोध व नवाचार पर खर्च जहां 60 हजार करोड़ होता था, वह सवा लाख करोड़ से ऊपर हो गया है। पेटेंट के क्षेत्र में रफ्तार बढ़ी है, 2014 में जहां 40 हजार पेटेंट फाइल हुई थे, अब ये संख्या 80 हजार से अधिक हो गई है। सम्मेलन को शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भी संबोधित किया। कहा, अटल टिंकरिंग लैब के जरिये स्कूली स्तर से ही बच्चों के सपनों को अब उड़ान मिल रही है।

पीएम बोले-समय कम है और लक्ष्य बड़ा है

प्रधानमंत्री मोदी ने जब कहा, 'हमारे पास समय सीमित है और लक्ष्य बड़े हैं।' एक समय तो वहां मौजूद लोगों को लगा पीएम फिर पहलगाम आतंकी हमले पर बोलेंगे। लोगों में उत्सुकता बढ़ी, लेकिन अगले ही पल उन्होंने कहा, 'यह बात मैं वर्तमान स्थिति के लिए नहीं कह रहा हूं।' दरअसल, प्रधानमंत्री मोदी ने यह बात विकसित भारत के लक्ष्य के परिप्रेक्ष्य में कही थी। यह बात अलग है कि इन दिनों लोगों की उत्सुकता पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से उठाए जाने वाले कदमों पर है।

Publication : BIzz Buzz
Date : 30-Apr-2025
Page No : 1

India's innovation culture taking strong roots: PM

Says to make them future leaders, education system shares a great responsibility

Future-Ready Youth

- Setting research milestones
- YUGM a strategic conclave
- Working towards Viksit Bharat
- DIKSHA platform for One Nation, One Digital infra

NEW DELHI

THE youth in India is ready and disruptive today, setting research milestones in different sectors, said Prime Minister Narendra Modi while addressing the YUGM Conclave here on Tuesday.

YUGM ("confluence" in Sanskrit) is a first-of-its-kind strategic conclave convening leaders from government, academia, industry, and the innovation ecosystem.

The Prime Minister said the YUGM is a confluence of stakeholders joined together to work towards Viksit Bharat, and "will strengthen efforts to boost the country's innovation capacity and deep tech advancements".

"Our endeavour is to empower the youth with skills that make them self-reliant and position India as a global innovation hub," the PM said.

Asserting India's strong position for research and development, he added that "our youth is ready and disruptive today, and it is achieving milestones in different sectors".

PM Modi said this, citing innovations such as the 410-metre-long first Hyperloop test track by IIT Madras researchers, and 'brain on a chip' technology capable of storing and processing data in 16,500 states within a molecular film by scientists at the Indian Institute of Science (IISC).

He noted that "India's future depends on the youth" and to make them future leaders, the "education system shares a great responsibility".

"We are modernising the country's education system according to the needs of the 21st century," PM Modi said.

The PM said the DIKSHA (Digital Infrastructure for Knowledge Sharing) platform under which the One Nation, One Digital infrastructure has been established.

"The infrastructure is AI-based, scalable and is being used to develop textbooks in over 30 Indian languages and seven foreign languages," the PM said.

> "The country's innovation culture is also growing – from 40,000 patents in 2014, we now have over 80,000. This shows that the youth are getting support
> – *Narendra Modi, Prime Minister*

The PM also lauded the research ecosystem in the country, which more than doubled in its gross expenditure -- over Rs1.15 crore currently from just Rs60 crore in 2013-14.

To boost research in the country, the PM informed the launch of various programmes such as state-of-the-art research parks; the establishment of the Anusandhan National Research Foundation (ANRF), One Nation, One Subscription; and PM Research Fellowship, among others. "The country's innovation culture is also growing -- from 40,000 patents in 2014, we now have over 80,000. This shows that the youth are getting support," he said, while also stressing India's growth and representations in global rankings, such as in the QS rankings.

Further, the PM noted the opening of Indian campuses in Abu Dhabi (IIT Delhi) and Tanzania (IIT Madras), as well as the setting up of foreign university campuses in India.

"This will pave the way for academic exchange, research collaboration, and cross-cultural learning exposure to our students".

He called on the industry leaders to stand with young researchers, guide and fund them to foster larger innovations.

"It is crucial that the journey from idea to prototype to product is completed in the shortest time possible," the PM said.

While India is rapidly adopting AI and AI excellence centres are being increasingly established, "our vision is to make AI work for India", the PM said.

The event held at the Bharat Mandapam was driven by a collaborative project of around Rs1,400 crore with joint investment from the Wadhwani Foundation and government institutions.

Publication : The Indian Express
Date : 30-Apr-2025
Page No : 5

NEW NEP PREPARED WITH GLOBAL STANDARDS IN MIND

PM: Govt modernising education system for 21st century needs

EXPRESS NEWS SERVICE
NEW DELHI, APRIL 29

THE NEW National Education Policy (NEP) was prepared keeping in mind the global standards in education, and after the NEP was introduced, the country is seeing a big change in the Indian education system, Prime Minister Narendra Modi said on Tuesday.

"Now Indian students are beginning to get a modern education, and new ways are being forged for their careers," Modi said at the Yugm innovation conclave organised by the Ministry of Education and the Wadhwani Foundation, a tech organisation founded by entrepreneur Romesh Wadhwani.

Modi said that the future of the country depends on its youth, making it necessary to prepare them for their own as well as the country's bright future. Adding that the education system plays a big role in this, he said: "This is why we are making the country's education system modern, in line with the needs of the 21st century."

He said that the National Curriculum Framework, teaching-learning material, and new textbooks for classes 1 to 7 have been developed, along with the PM e-Vidya and Diksha platforms for digital education infrastructure. "Through the National Credit Framework, it has become easier for students to learn different subjects at the same time," he added.

Prime Minister Narendra Modi with Union Ministers Dharmendra Pradhan and Jitendra Singh in New Delhi. *PTI*

Pointing to the goal of strengthening the country's research ecosystem, Modi said that work has progressed rapidly in this direction, and resources have increased. "Many state-of-the-art research parks have been set up across the country. Research and development cells have been set up in 6,000 higher education institutions. Innovation culture is developing rapidly in India with our efforts. Around 40,000 patents were filed from India in 2014, now this has increased to over 80,000," he said.

He referred to the setting up of the Anusandhan National Research Foundation (ANRF) as a step towards encouraging research, and added that the One Nation One Subscription scheme ensures easier access to "world-class research journals."

Referring to the youth of India as "ready, disruptive, and transformative," Modi said that university campuses are also becoming dynamic centres where "the youth drives breakthrough innovations."

"Our institutions are opening campuses abroad – IIT Delhi in Abu Dhabi, IIT Madras in Tanzania. In Dubai, IIM Ahmedabad is preparing to set up a campus. It is not just that our top institutions are going abroad, but top universities abroad are also coming here," he said.

He said: "Only the trinity of talent, technology, and temperament can transform India's future and take India to the pinnacle of success," adding that for the goal of Viksit Bharat, a timeline of the next 25 years has been set.

"Our time is limited, our goals are big…so, it is necessary that our journey from idea and prototype to product be shortened. When the distance between lab and market is shortened, the results of research can reach people faster…For this, it is necessary that our research ecosystem...," he said.